# सेवा सौभाग्य

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 136 ● मुद्रण तारीख » 1 अप्रैल-2023 ● कुल पृष्ठ » 24

## 39वां सामूहिक विवाह सोल्लास सम्पन्न

## 51 दिव्यांग निर्धन जोड़े बनें हमसफ़र

अक्षय
दान-सेवा का
पुनित पर्व

# अक्षय तृतीया

दिनांक 22 अप्रैल, 2023

**राह देखते दिव्यांगों का पूरा करें इंतजार, सेवा में अक्षय तृतीया को बनायें साकार।**

**1 ऑपरेशन सहयोग**
**5000 रू.**

Donate Now

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

» 1 अप्रैल, 2023 » वर्ष 12 » अंक 136 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 24

# सेवा सौभाग्य

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

## पाठकों के लिए इस माह

## अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनाएं

08

07

14

17

16

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल » सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल » सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़ » डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 April, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 ( No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

# अपेक्षाएं ही मन का बोझ

**यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए भी मनोमस्तिष्क में रखते हैं, तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। इससे हमारा काम और पारिवारिक जीवन बोझिल होकर प्रभावित होने लगेगा। इसलिए सुखी जीवन के लिए ज़रूरी है कि समस्याओं और अपेक्षाओं का बोझ सिर पर हमेशा न लादे रखें। इसे बनाए रखने के बजाए समाधान ढूंढें और जीवन को सार्थक और आनंदमय बनाएं।'**

प्रायः लोग कहते हैं कि मन भारी है अथवा मन पर बोझ है। आखिर मन पर यह बोझ होता क्यों है? इस पर यदि मन का ही मंथन करें तो उत्तर स्वतः उभर आएगा। दरअसल, जब व्यक्ति जरूरत से ज्यादा अपनी अपेक्षाएं बढ़ा लेता है, तभी मन बोझिल हो उठता है और ऐसा होने पर अनावश्यक रूप से जीवन जटिल हो जाता है। मन कभी-कभी इसलिए भी दुःखी अथवा बोझिल हो जाता है जब आपके आसपास के लोग आपकी अपेक्षा के अनुसार व्यवहार नहीं करते लेकिन आपको दुःखी नहीं होना चाहिए क्योंकि दूसरों के प्रति आपका व्यवहार सही है। आप किसी याचक को कुछ देते हैं और वह बिना आपका आभार जताए अपनी राह चला जाता है तो मन दुःखी हो जाता है किंतु मन व्यर्थ में दुःखी हो रहा है। आपका कर्तव्य आपने पूरा किया। कुल-मिलाकर अपेक्षाएं ही दुःख का कारण हैं। अपना कर्म करते रहें, किसी भी कार्य को बोझ न समझें, फिर देखिए जीवन आनंद से भर जाएगा।

स्वामी रामतीर्थ जापान में थे। वहां प्रवचन से पहले उनके हाथ में पानी का ग्लास था। उन्होंने शिष्यों से पूछा, 'इसका वजन कितना होगा?'

उत्तर मिला, 'लगभग 100-150 ग्राम।' उन्होंने फिर पूछा, 'अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा?' शिष्यों ने जवाब दिया, 'कुछ नहीं।' 'अगर मैं इसे एक घंटे पकड़े रहूं तो?' रामतीर्थ ने दोबारा प्रश्न किया। 'शिष्यों ने कहा, 'आपके हाथ में दर्द होने लगेगा।' उन्होंने फिर प्रश्न किया, 'अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो?' शिष्य बोले, 'आपकी नसों में तनाव आ जाएगा।' रामतीर्थ ने कहा, 'अब ये बताओ क्या इस दौरान इस ग्लास के वजन में कोई फर्क आएगा?' जवाब था- 'नहीं।' तब रामतीर्थ बोले, 'यही नियम जीवन पर भी लागू होता है।

-'सेवक' प्रशान्त भैया, अध्यक्ष

# जैसा कर्म, वैसा जीवन

**पूज्य श्री कैलाश 'मानव'**

भगवान श्रीकृष्ण गीता में समझाते हैं कि हमें जीवन में उन चीजों से प्रेरणा लेनी चाहिए जो हमें बेहतर बनने का मार्ग बताएं। अगर कोई किताब पढ़ रहे हैं तो ऐसी किताब पढ़िए जो आपको और आगे बढ़ने की प्रेरणा दे। यह सत्य है कि जीवन में भगवान से बड़ी प्रेरणा कोई और नहीं हो सकती। जब भगवान आपकी प्रेरणा हो तो आपके विचार, गुण, स्वभाव और कर्म केवल सर्वोत्तम हो सकते हैं, क्योंकि आप जिससे जीवन का पाठ ले रहे हैं।

**"जीवन में हम कितनी तरक्की करते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किन चीजों, लोगों और घटनाओं से प्रेरणा लेते हैं। किन लोगों के बीच रहते हैं। हम यदि अपने से बेहतर लोगों से प्रेरणा लें तो कभी असफल नहीं होंगे।"**

भगवान कृष्ण कहते हैं, 'बुद्धिर्ज्ञानमसम्मोहः क्षमा सत्यं दमः शमः। सुखं दुःखं भवोऽभावो भयं चाभयमेव च।' जीवन में हमें अलग-अलग अनुभव होते हैं- खट्टे-मीठे, अच्छे-बुरे। लेकिन सवाल यह है कि हम कैसे अनुभवों से सीख लेते हैं, किन विचारों से प्रेरणा लेते हैं? **जैसी सोच, वैसा कर्म और जैसे कर्म वैसा जीवन।** जिसे भी आप भगवान मानते हैं, क्या वह अच्छे स्वभाव, अच्छे गुणों, अच्छे कर्मो और अच्छे विचारों के प्रतीक और प्रमाण नहीं ? अगर भगवान राम की बात करें तो एक ओर उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए सरलता से अयोध्या पर राज का अधिकार छोड़ दिया। उनके मन में इस बात पर कभी संदेह या द्वेष उत्पन्न नहीं हुआ। उन्होंने अपने आप पर विश्वास किया कि अयोध्या के राजसिंहासन के बिना भी वह स्वयं अपना जीवन उत्तम बना सकते हैं। दूसरी ओर रणभूमि में उन्होंने वीर योद्धा होने का पूर्ण प्रमाण दिया। इसी तरह भगवान श्रीकृष्ण वृंदावन में पूर्ण प्रसन्नता से रहे तो साधारण ग्वाले की भांति जीवन की छोटी-छोटी खुशियों का भी आनंद लिया। लेकिन जब-जब असुरों का प्रहार हुआ तो उन्होंने वृंदावनवासियों की सुरक्षा की। भगवान श्रीकृष्ण में द्वारकाधीश बनने का सामर्थ्य भी था और महाभारत में अर्जुन का सारथी बनने की सादगी भी। इसलिए जब भी जीवन में कोई समस्या या शंका हो तो हमेशा भगवान से प्रेरणा लीजिए, वह कभी आपका अहित नहीं होने देंगे।

# दान का पवित्र दिन अक्षय तृतीया

सनातन एवं जैन परम्परा में अक्षय तृतीया (22 अप्रेल)ऐसा पर्व है जो सद्कार्यों की ओर प्रेरित करता है। जो अपने साथ दूसरों की खुशियां भी बढ़ाने वालें हो। इन कार्यो में सर्वाधिक महत्वपूर्ण और पावन कर्म माना गया है-**दान**। प्रकृति हमें हर पल देती ही रहती है। प्रकृति की खुशी के नाना रूप हमें भी खुश करते हैं। जीवन के पोषण का आधार ही प्रकृति है। वह हमें बताती है कि जीवन वही सफल है, जिसमें सृजन हो, सकंल्प और सार्थकता हो। यह सब मनुष्य के लिए दूसरों के हित चिंतन से ही संभव है।

अक्षय तृतीया दान का पवित्र दिन माना गया है। जिसमें संदेश जुड़ा है कि हम अपने जीवन में ऐसे अच्छे कर्म करें जिससे हमारा चरित्र, कृतित्व और व्यक्तित्व बेहतर बने, अक्षय यश की प्राप्ति हो। दीन-दुःखी, पीड़ित, निराश्रित, दिव्यांगजन के जीवन को संवारने के लिए दान को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि का आज तक कभी क्षय नहीं हुआ। वैदिक परम्परा में महर्षि जमदग्नि के महाबली पुत्र परशुराम का जन्म इसी दिन हुआ और सतयुग का प्रारम्भ भी अक्षय तृतीया को ही माना गया है। जैन परम्परा में आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभ के 13 माह 10 दिन के सुदीर्घ तप के पश्चात् वैशाख शुक्ल तृतीया को ही पारणा हुआ।

**इस शुभ दिन हम भी खुले मन-खुले हाथों उनके लिए दान करें, जो नई सुबह की तलाश में हैं।**

# सामूहिक विवाह से पूर्व अन्नदान-औषधिदान

**अलसीगढ़ में नारायण सेवा का स्वास्थ्य एवं सहायता शिविर**

संस्थान ने सामूहिक विवाह में कन्यादान से पूर्व 24 फरवरी को आदिवासी क्षेत्र अलसीगढ़ में अन्नदान-वस्त्रदान और चिकित्सा शिविर किया। जिसमें हजारों गरीबों को राशन, वस्त्र और दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। संस्थान ने सामूहिक विवाह में 51 बेटियों का संसार बसाने में मदद करने वाले सहयोगियों की उपस्थिति में गरीब, वृद्ध, कुपोषित व मौसमी बीमारियों से पीड़ित लोगों की सेवार्थ आयोजित शिविर में निदेशिका श्रीमती वंदना अग्रवाल सहित 30 सदस्यीय टीम ने सेवाएं दी।

**400** पंजीयन | **1000** किलो मक्का | **350** लुगड़ी व धोती | **175** ग्रामीणों को दवा | **1500** से अधिक लाभान्वित

# 51 दिव्यांग-निर्धन जोड़े बनें हमसफ़र

## संस्थान का 39वां सामूहिक विवाह सोल्लास सम्पन्न

संस्थान के सेवा महातीर्थ में ईश्वर की असीम अनुकृपा एवं संस्थान के सहृदयी-करुणामयी दानवीरों के पावन सानिध्य में 25-26 फरवरी को 39वां निःशुल्क निर्धन एवं दिव्यांग युवक-युवती सामूहिक विवाह सानंद सम्पन्न हुआ। जिसमें 51जोड़े वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच पवित्र अग्नि के सात फेरे लेकर हम-सफर बन गए। इसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में दानवीर-भामाशाहों ने भाग लेकर नवयुगलों को स्नेहसिक्त आशीर्वाद प्रदान किया। प्रथम दिन प्रथम पूज्य गणपति जी की पूजा के बाद निदेशक वन्दना जी अग्रवाल व सुश्री पलक के सानिध्य में परिणय सूत्र में बंधने वाली युवतियों के हाथों में मेहंदी की रस्म हुई।

संस्थान साधिकाओं व विभिन्न राज्यों से आई महिला अतिथियों ने ढोलक की थाप पर मेहंदी के परम्परागत गीत व नृत्य प्रस्तुत किए। इससे पूर्व परिजनों व अतिथियों ने वैवाहिक गीतों की धुन के बीच हल्दी लगाने की रस्म निभाई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री भरत भाई व मुकेश जी पटेल (यूएसए), श्री हरीश भाई (लंदन),श्री कुंवर भाई (नैरोबी), श्री आनंद कुमार जी (उड़ीसा) व महेश जी अग्रवाल (मुम्बई) उपस्थित थे। सुबह 9 बजे संस्थान परिसर में सजे-धजे वाहनों में परिणय सूत्र में बंधने वाले युगलों की बाजे-गाजे से बिंदोली निकाली गई।(शाम को 7 बजे दिव्यांग टैलेंट शो एवं रंगारंग सांस्कृतिक संध्या सम्पन्न हुई)। कार्यक्रम में संस्थान संस्थापक पूज्य गुरुदेव कैलाश जी मानव व सह संस्थापिका गुरुमाता कमला देवी जी अग्रवाल ने दूल्हा-दुल्हनों के माता-पिता व कन्यादान के इस महानुष्ठान में सहयोगी भामाशाहों को सम्मानित किया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों का स्वागत किया।

दूसरे दिन के समारोह में विशिष्ट अतिथि उर्मिला कुमारी जी, डॉ. प्रेमरानी जी सिंगल, वीना जी शर्मा, के.के. गुप्ता जी व कुसुम जी गोयल थे। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरुदेव कैलाश जी 'मानव' ने कन्यादान के इस अनुष्ठान में सहयोगियों व नवयुगलों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि **देव दुर्लभ मानव देह को भागवतकृपा से जो भी उपलब्ध है, उसका उपयोग समाज के पीड़ित और वंचित वर्ग के लिए कर जीवन को सार्थक करें**। प्रातः 10:15 बजे सजे-धजे दूल्हों ने परंपरागत तोरण की रस्म का निर्वाह किया। विवाह के लिए बने विशाल पाण्डाल में 51 वेदियों पर पंडित योगेंद्र आचार्य,शास्त्री उपेन्द्र चौबीसा व विकास उपाध्याय के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के बीच 51 जोड़ों ने सात फेरे लिए । दुल्हनों ने समारोह के भव्य मंच पर सज-धज कर ढोल-ढमाकों के बीच प्रवेश किया। वरमाला की रस्म के दौरान सर्वप्रथम करोली के प्रज्ञाचक्षु केसरी नन्दन व एक हाथ से दिव्यांग झारखंड की उर्मिला, लसाड़िया के प्रज्ञाचक्षु प्रेमचंद मीणा व 3 साल की उम्र में दोनों पांवों से पोलियो की शिकार सुरजा मीणा, महेंद्र कुमार व कलावती आमलिया (दोनों जन्मान्ध), भरतपुर के सत्येंद्र व झारखंड की सुनिता (दोनों दिव्यांग) ने एक-दूसरे के गले में वरमाला डाली।

गुलाब - पंखुरियों की पुष्प वर्षा के बीच संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल व सुश्री पलक ने जोड़ों की वरमाला रस्म के निर्वाह में सहयोग किया। इस दौरान समूचा पाण्डाल देर तक तालियों से गूंजता रहा। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने अतिथियों व वर-वधूओं का स्वागत करते हुए बताया कि पिछले 21 वर्षों में संस्थान 2200 निर्धन व दिव्यांग जोड़ों की सुखद गृहस्थी बसाने में सहायक बनता आया है। वे सभी अपनी संतति सहित खुशहाल हैं।

वरमाला की रस्म के बाद दुल्हा-दुल्हनें कोई व्हीलचेयर पर तो कोई वैशाखी और कैलिपर्स के सहारे अपने लिये निर्धारित विवाह वेदी पर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों व धर्म माता-पिता के सानिध्य में पवित्र अग्नि के फेरे लिए। इस बार सामूहिक विवाह का ध्येय वाक्य 'जल ही जीवन' था। नवयुगलों को सात फेरों के बाद 'जल संरक्षण' का संकल्प भी दिलाया गया। सभी नव दंपतियों को संस्थान व अतिथियों द्वारा उपहार प्रदान किये गए। संस्थान ने प्रत्येक जोड़े को वे सभी वस्तुएं प्रदान की जो एक नई गृहस्थी के लिए आवश्यक होती हैं। विवाहोपरान्त उपस्थित अतिथियों,संस्थान पदाधिकारियों व साधकों ने नम आँखों से नवयुगल को संस्थान के वाहनों से उनके घरों के लिए विदा किया। आभार ज्ञापन ट्रस्ट्री निदेशक श्री देवेंद्र चौबीसा ने व संयोजन श्री महिम जैन ने किया।

# सुरजा बनी प्रेम की ज्योति

प्रतापगढ़ के भोजपुर गांव की सुरजा पुत्री मानिया मीणा जन्म से पोलियो की शिकार थी। दोनों पैरों घिसट -घिसट कर चलने को मजबूर थी। संस्थान में निःशुल्क ऑपरेशन के बाद बैशाखी के सहारे चलने लगी। संस्थान ने निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दे आत्मनिर्भर बनाया। अब अपने घर और आस-पड़ोस के लोगों के कपड़े सिल के गरीब माता-पिता की मदद कर रही हैं। लेकिन माता-पिता को अपनी गरीबी और बेटी की दिव्यांगता का दर्द सताए जा रहा था, कि कौन इसका हाथ थामेगा? लेकिन ईश्वर ने उनकी पुकार सुन ली। संस्थान के 39वें सामूहिक विवाह में परिणय सूत्र में बंधी। उदयपुर, लसाड़िया तहसील के प्रेमचंद्र पुत्र चौखा जो जन्म से ही नेत्रहीन हैं, पर जीवन में कभी हार नहीं मानी। अपने हौसलों को बुलन्द कर चुनौतियों को मात दे जोधपुर के ब्लाइंड कॉलेज से बी.ए. तक की पढ़ाई पूरी की। विवाह समारोह में प्रेमचंद्र कहते हैं कि अब मैं बनूंगा सुरजा की बैशाखी तो जवाब में सुरजा भी कहती हैं कि इनकी नेत्रज्योति बन जीवन के हर मोड़ पर साथ निभाऊंगी।

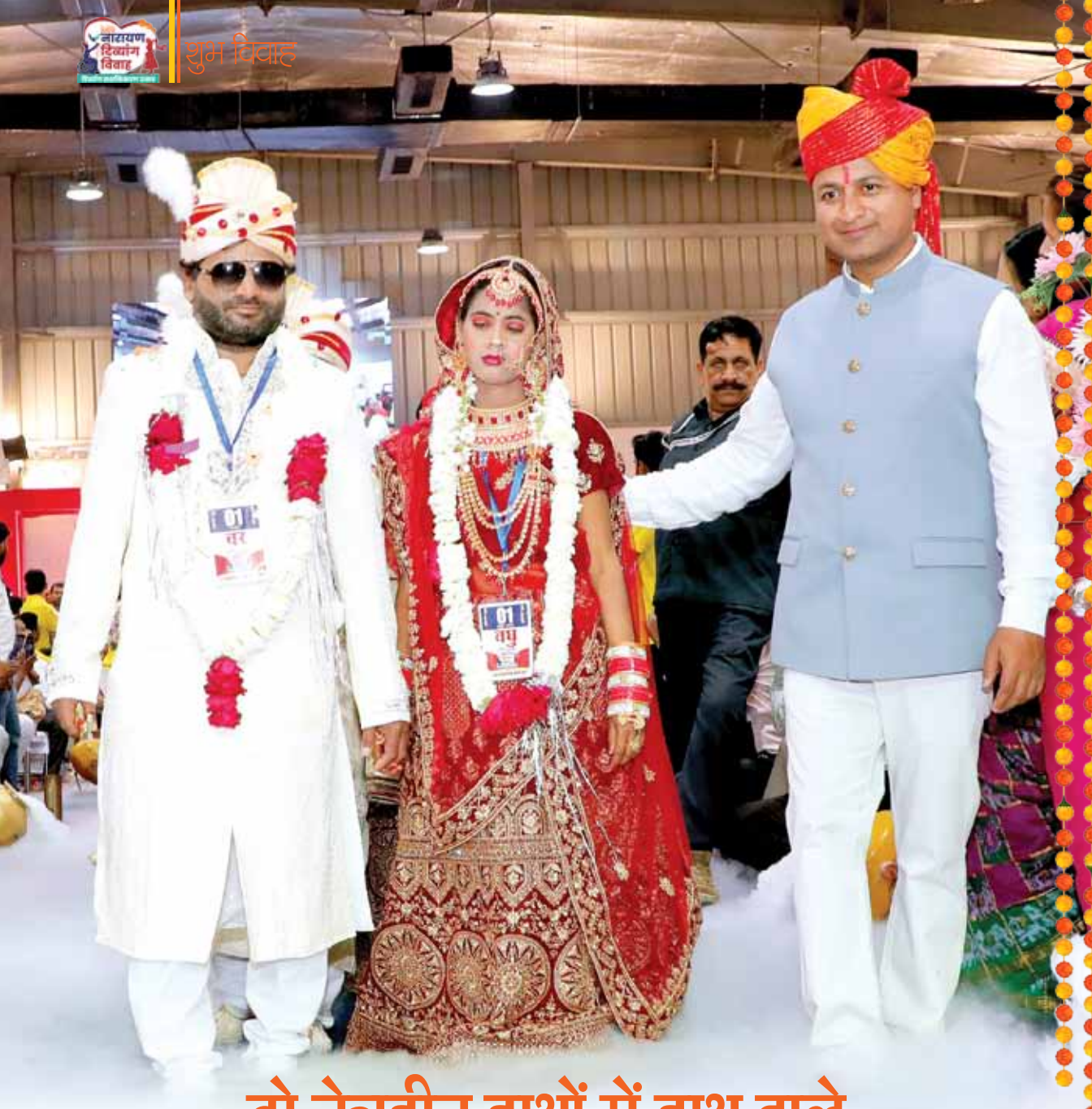

# दो नेत्रहीन हाथों में हाथ डाले चलेंगे जीवन भर साथ

रणजीत मीणा और सुमन वरहात दोनों जन्म से ही नेत्रहीन हैं। नेत्रज्योति के बिना जिंदगी वीरान सी है जिन्दगी दूसरों के सहारे की मोहताज रहती है। रणजीत, बड़ला का और सुमन, खेरवाड़ा के पीथापुर की रहने वाली है। सुमन को 20 प्रतिशत ही दिखाई देता है। दोनों की स्थिति देख माता-पिता ने सगाई तो कर दी परन्तु अंधत्व और पैसों की तंगी होने से शादी नही हो पाई। नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क 39वें दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह में पवित्र अग्नि के सात फेरे के बंधन में बंध यह जन्मों के हम सफर बने। दोनों बताते हैं कि हम तो देख नही सकते परन्तु महसूस जरूर कर सकते हैं, आप सभी समाजसेवियों और भामाशाहाओं के आशीर्वाद से ही अब हम दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर पाए हैं।

# व्हाट्सएप ग्रुप से बनी प्यार की कहानी

बचपन से ही दिव्यांगता, पैसों की कमी, और स्कूल दूर होने से कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। परन्तु आगे बढ़ने की ललक और संकल्प से कभी हिम्मत नहीं हारी । सत्येंद्र कुमार (भरतपुर) और सुनिता कुमारी (झारखंड) की निवासी हैं। दोनों के परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। दिव्यांगता के कारण दोनों का जीवन संघर्षपूर्ण रहा। एक लाठी तो दूसरा बैशाखी के सहारे जैसे -तैसे चल जीवन बिता रहे थे कि तीन माह पहले व्हाट्सएप ग्रुप से हुई मुलाकात जीवनभर साथ निभाने वाली साबित हुई, कुछ ही दिनों की बातचीत में दोनों ने जीवनभर साथ निभाने का फैसला कर लिया। सत्येंद्र 4 साल से परचूनी की दुकान चला गुजारा चला रहे हैं और सुनीता के पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। निर्धन होने के कारण शादी करवाने में असमर्थ हैं। ऐसे में संस्थान के सामूहिक निःशुल्क विवाह की मिली जानकारी से आस जगी।

# भक्ति की महिमा

**झीनी-झीनी रोशनी-48**

**नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।**

मैं जितनी देर पढ़ता हूं उतनी ही देर मेरे पास बैठकर किसी भी प्रकार के व्यवधान नहीं होने देती जिससे मैं शान्ति पूर्वक पढ़ाई कर सकूं। अगर मैंने पहले ही अवसर में परीक्षा पास नहीं की तो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अन्याय होगा। कैलाश जी की बात से उसका साथी भी द्रवित हो गया और उसकी सफलता की कामना करने लगा।

कैलाश जी ने परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी। पूरे मनोयोग से उन्होंने पढ़ना शुरू किया। कमला जी ने भी पूरा सहयोग दिया मगर कैलाश जी को अपनी पढ़ाई से संतुष्टि नहीं हो रही थी, उन्हें हर पल यही लगता था कि ऐसी तैयारी से तो उनका पास होना कठिन है। इस तरह के विचारों के बावजूद भी पढ़ाई जारी रखी मगर डेढ़ महीने की तैयारी के बाद हिम्मत टूट गई। निराशा के कारण अब और पढ़ाई करना असंभव होता जा रहा था। परीक्षा में अब सिर्फ 15 दिन शेष थे। इस बीच विभाग में चार पदों की रिक्तियों की घोषणा हो गई। इनमें दो पद आरक्षित थे जबकि दो पद सामान्य वर्ग हेतु थे। कैलाश जी के लिये इन दो पदों में से ही एक प्राप्त करने का अवसर था, ऐसे में प्रतिस्पर्धा और जटिल हो गई थी। पहले से निराश कैलाश जी की हताशा और बढ़ गई। कैलाश जी के कार्यालय के उच्च अधिकारी के पुत्र थे चन्द्र प्रकाश लश्करी। वह कैलाश जी से बहुत लगाव रखता था और वह उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कुछ न कुछ उपक्रम करता ही रहता था।

कैलाश जी का शुरू से अखबारों के प्रति बहुत लगाव था। एक दिन चन्द्र प्रकाश अपने हाथों में एक अखबार लहराते, आज की ताजा खबर, आज की ताजा खबर बोलते हुए कैलाश जी के पास आया। कैलाश जी की उत्सुकता बढ़ गई उन्होंने पूछ लिया- क्या है भाई आज की ताजा खबर? तो चन्द्र प्रकाश बोला-एक स्थान आपके लिये आरक्षित हो गया है। यह चन्द्र का कैलाश जी को उत्साहित करने का प्रयास मात्र था मगर इससे कैलाश जी सोचने को मजबूर हो गए। उन्होंने अपने आपको धिक्कारा कि उन्हें आस-पास के तमाम लोग कितना चाहते हैं कि वह पूरी तैयारी करे और परीक्षा दे जबकि वह है कि हताश हो हथियार डाल कर बैठा है। चन्द्र प्रकाश के इस उपक्रम से कैलाश जी के मन में एक नई आशा का संचार हुआ और वे अपने मन से हर प्रकार की निराशा का भाव हटाकर प्राण-प्रण से परीक्षा की तैयारियों में जुट गए। धीरे-धीरे कैलाश जी में पुनः विश्वास आता गया और परीक्षा देने के पूर्व तक तो यह स्थिति हो गई मानों यह परीक्षा पास करना उनके बायें हाथ का खेल हो। हुआ भी यही, कैलाश जी ने यह परीक्षा, पहले ही अवसर में बहुत अच्छें अंकों से उत्तीर्ण कर ली।

**क्रमशः**

# देवी स्वरूपा दिव्यांग 501 कन्याओं का पूजन

नारायण सेवा संस्थान के लियों का गुड़ा हॉस्पीटल परिसर में 501 दिव्यांग कन्याओं का माता स्वरूप पूजन किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आई इन कन्याओं के नवरात्रि सप्ताह के दौरान दिव्यांगता में सुधार के लिए निःशुल्क ऑपरेशन किए गए थे। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया एवं निदेशिका वंदना मेम ने उपहार, प्रसाधन सामग्री व नैवेद्य के साथ जरूरतमंद कन्याओं को व्हील चेयर, कैलीपर प्रदान कर महाआरती की। संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने संदेश में कहा कि जो परिवार व समाज बेटियों के प्रति पूर्ण संवेदनशील होकर उनका पथ प्रशस्त करता है, वह राष्ट्र के विकास में बड़ा योगदान करता है। निदेशक वंदना जी ने कहा कि महिलाओं ने पृथ्वी से आकाश तक अपनी उपलब्धियों से यह साबित कर दिया है कि वह वस्तुतः शक्ति स्वरूपा हैं और उनके सम्मान से सर्वत्र मंगल होता है।

# कृत्रिम अंग दुख गया हार, जीत हुई साकार

आपका अपना यह संस्थान दुर्घटना अथवा बीमारी में हाथ- पैर खोकर दिव्यांगता के दंश से दुःखी भाई-बहिनों को उनके माप के मुताबिक अत्याधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान कर उनके जीवन को स्वावलम्बी व खुशहाल बनाने की दिशा में लगातार संलग्न है। फरवरी, 2023 में राजस्थान के तारानगर, बारां, झुंझनु, जालोर, गुजरात के सूरत, पंजाब के अबोहर, उप्र के लखनऊ व गाजियाबाद में विशाल कृत्रिम अंग माप एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर सम्पन्न हुए, जिसमें सैकड़ों दिव्यांग बंधु-बहिनों ने उपस्थित होकर लाभ लिया। उन्होंने बताया कि इनसे दैनन्दिन एवं आजीविका के कार्यों में काफी मदद मिलेगी। उनका हौसला बढ़ेगा। **मुख्य अतिथिः तारानगर** - डॉ. देवीलाल जोशी, श्रीमती शीतल चौधरी, **बारां** - श्रीमती उषा जैन, श्री रामनिवास यादव, **झुंझनु** - श्री रोशन सेठी, श्री पवन पूनिया, **जालोर** - श्री अम्बालाल व्यास, श्री कालूराज मेहता, **सूरत** - श्री प्रफुल्ल पानशेरिया, श्री शरद भाई शाह, **अबोहर** - श्री मनप्रीत सिंह बादल, श्री सुभाषचंद्र खन्ना, **लखनऊ** - श्रीमती नम्रता पाठक, डॉ. नरेश अग्रवाल, **गाजियाबाद** - श्री विनय चौधरी, श्री संजय नागर।

**2467** दिव्यांग का पंजीयन

**238** कृत्रिम अंग

**255** ट्राइसाईकिल

**197** कैलीपर

**108** वैशाखी

**106** श्रवण यंत्र

**81** व्हीलचेयर

**48** ऑपरेशन चयन

# सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

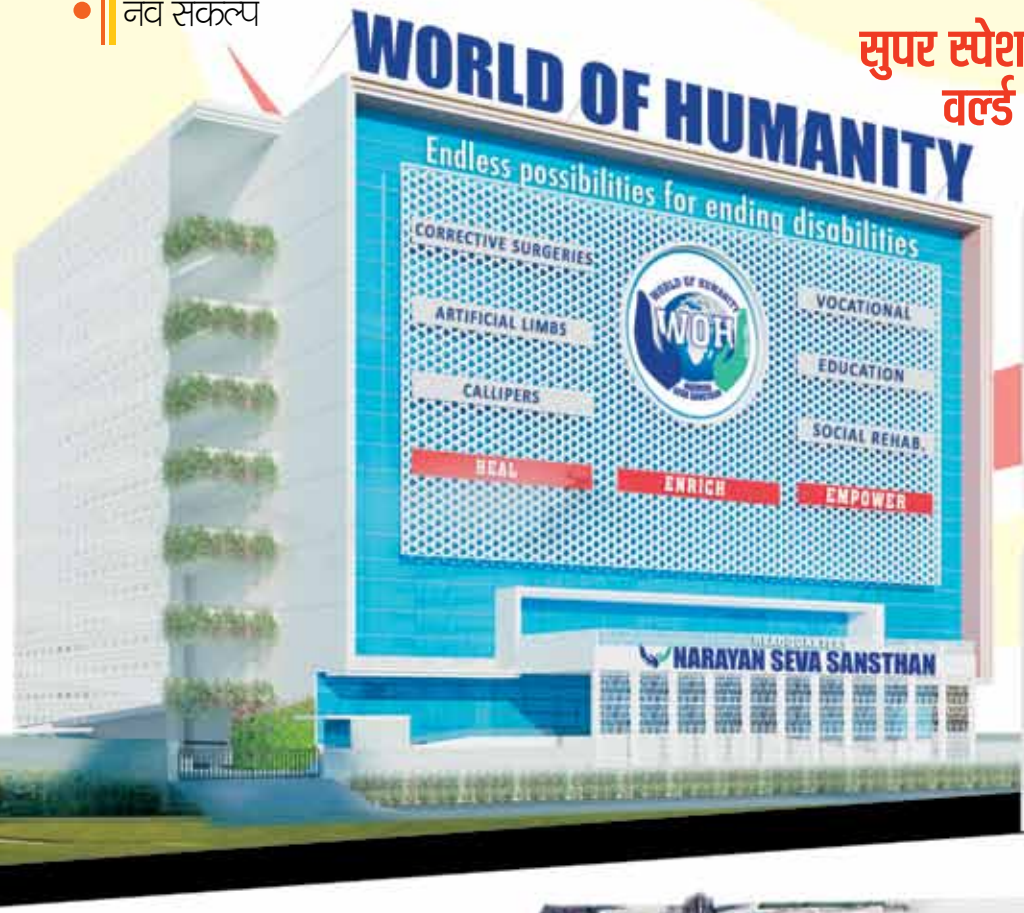


450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल

नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

## निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

**1,00,000 रू.**

सेवा ईंट-पायें पुण्य

**51,000 रू.**

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

**21,000 रू.**

## संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री स्व. श्री मदन लाल जी एवं मातुश्री सोहिनी देवी जी

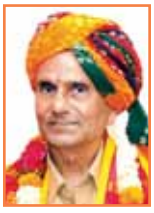

संस्थान के परम संरक्षक,श्री रमेश भाई चावड़ा,यूके

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ समिति,बिसलपुर, पाली(राज.)

स्व. श्री पी.जी. जैन गौरेगांव/ हरियामाली (सोजत रोड)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा मुम्बई/घाणेराव (पाली)

## संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री मंगल भाई पटेल एवं श्रीमती मानेकबेन पटेल अंबासन (गुजरात)

श्री मदन मोहन अग्रवाल स्व. श्रीमती प्रेमवती अग्रवाल मथुरा (उ.प्र.)

श्री हेमुभा भिखुभा झाला एवं श्रीमती व्रज कुंवरबा अहमदाबाद (गुजरात)

श्री ओम प्रकाश त्रिपाठी, भायन्दर (मुम्बई)

श्री शंकर लाल पटेल कुदासन, गांधीनगर (अमेरिका)

श्रीमती प्रभा रानी अग्रवाल मेरठ (उ.प्र.)

## संस्थान शाखा प्रेरक माह जनवरी 2023

शाखा प्रेरक श्री रविशंकर अरोरा शाहदरा (दिल्ली)

शाखा संयोजक डॉ. विवेक गर्ग कैथल (हरियाणा)

सेवा प्रचारक श्री राजेश कुमार जोशी, इन्दौर (म.प्र.)

श्री बाबू लाल सेन एवं स्व. श्रीमती हीरा सेन कटनी (म.प्र.)

श्री हीरा लाल सुथार(मिस्त्री) पाली (राजस्थान)

श्री सुरज राम कुम्हार, बीकानेर (राजस्थान)

श्रीमती मृदुला बेन भगत, बोरीवली (मुम्बई)

## पीड़ितों और असहायों की मदद से - असली खुशी

एक शहर में एक अमीर व्यवसायी रहता था। उसके पास किसी भी चीज की कमी नहीं थी लेकिन फिर भी वह हमेशा चिंतित और बेचैन रहता था। एक दिन वह एक ऋषि से मिलने उनके आश्रम गया। वहां उसने ऋषि को अपनी समस्या बताई कि उसके पास कोई कमी नहीं है फिर भी वह खुश नहीं रह पाता। ऋषि ने व्यवसायी को अगले दिन आने को कहा। दूसरे दिन जब वह व्यक्ति आश्रम पहुंचा तो उसने देखा कि ऋषि अपने आश्रम के बाहर कुछ ढूंढ रहे थे। उसने पूछा कि गुरूवर आप क्या ढूंढ रहे हैं ? ऋषि ने कहा कि उनकी अंगूठी खो गई है, वह उसे ही ढूंढ रहे हैं। यह सुनकर व्यवसायी भी ऋषि के साथ उनकी अंगूठी ढूंढने में लग गया। काफी देर तक खोजने के बाद भी जब अंगूठी नहीं मिली तो उसने ऋषि से पूछा कि गुरूवर, आपकी अंगूठी कहां गिरी थी? ऋषि ने बताया कि उनकी अंगूठी आश्रम की कुटिया में गिरी थी लेकिन वहां काफी अंधेरा है इसलिए वह अंगूठी को आश्रम के बाहर ढूंढ रहे हैं। व्यक्ति ने हैरानी से पूछा कि जब आपकी अंगूठी आश्रम कुटिया में गिरी थी तो आप उसे बाहर क्यों ढूंढ रहे हैं? इस पर गुरू ने जवाब दिया कि यही तुम्हारी समस्या का हल है। खुशी तुम्हारे अन्दर है, लेकिन तुम उसे पैसे और बाहरी वस्तुओं में ढूंढ रहे हो। खुशी धन-सम्पदा से नहीं मिलती। गरीबों, पीड़ितों और असहायों की मदद और सेवा से मिलती है। उनके जीवन में जो बदलाव आता है उनके चेहरे पर जो मुस्कान उभरती है, वही हमें असली खुशी दे सकती है।

## नारायण सेवा केन्द्र

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

**पूणे**

09529920093
17/153 मेन रोड, गणोश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

### राजस्थान

**जोधपुर**

08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

**कोटा**

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा ( राज. ) 324005

### मध्य प्रदेश

**ग्वालियर**

07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

### हरियाणा

**चण्डीगढ़**

070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

**गुरूग्राम**

08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

**हिसार**

07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

### वेस्ट बंगाल

**कोलकाता**

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

### पंजाब

**लुधियाना**

07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना ( पंजाब )

### उत्तर प्रदेश

**प्रयागराज**

09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

**मेरठ**

08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

**लखनऊ**

09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

### (कर्नाटक)

**बेंगलुरू**

09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 ( 12 ) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु-560004

### बिहार

**पटना**

मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

### गुजरात

**सूरत**

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

**वडोदरा**

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

**अहमदाबाद**

मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

### दिल्ली

**रोहिणी**

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

**जनकपुरी, नई दिल्ली**

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

## नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

### दिल्ली

**फतेहपुरी**

08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

**शाहदरा**

बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

### उत्तर प्रदेश

**हाथरस**

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

**मथुरा**

07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

**अलीगढ़**

07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

**मोदीनगर**

आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

**बरेली**

बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

**लोनी**

09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड ( मोक्षधाम मन्दिर ) के पास लोनी, गाजियाबाद

**गाजियाबाद**

( 1 ) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कैलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

( 2 ) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

**आगरा**

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 ( उ.प्र. )

### राजस्थान

**जयपुर**

09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

### गुजरात

**अहमदाबाद**

9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

**राजकोट**

09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

### तेलंगाना

**हैदराबाद**

09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

### उत्तराखण्ड

**देहरादून**

07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**

09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

### मध्य प्रदेश

**रतलाम**

दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 ( म.प्र. )

**इन्दौर**

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

### छत्तीसगढ़

**रायपुर**

07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

### हरियाणा

**अम्बाला**

07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

**कैथल**

09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

# दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

**कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..**

## जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

| ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि | ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि |
|---|---|---|---|
| 501 ऑपरेशन के लिए | 17,00,000/- | 40 ऑपरेशन के लिए | 1,51,000/- |
| 401 ऑपरेशन के लिए | 14,01,000/- | 13 ऑपरेशन के लिए | 52,500/- |
| 301 ऑपरेशन के लिए | 10,51,000/- | 5 ऑपरेशन के लिए | 21,000/- |
| 201 ऑपरेशन के लिए | 07,11,000/- | 3 ऑपरेशन के लिए | 13,000/- |
| 101 ऑपरेशन के लिए | 03,61,000/- | 1 ऑपरेशन के लिए | 5,000/- |

## निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

**आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति ( हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें )**

| | |
|---|---|
| नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि | 37,000/- |
| दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि | 30,000/- |
| एक समय के भोजन की सहयोग राशि | 15,000/- |
| नाश्ता सहयोग राशि | 7,000/- |

## दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

**दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार**

| वस्तु | सहयोग राशि (एक नग) | सहयोग राशि (तीन नग) | सहयोग राशि (पाँच नग) | सहयोग राशि (ग्यारह नग) |
|---|---|---|---|---|
| तिपहिया साईकिल | 5,000/- | 15,000/- | 25,000/- | 55,000/- |
| व्हील चेयर | 4,000/- | 12,000/- | 20,000/- | 44,000/- |
| कैलिपर | 2,000/- | 6,000/- | 10,000/- | 22,000/- |
| वैशाखी | 500/- | 1,500/- | 2,500/- | 5,500/- |
| कृत्रिम हाथ/पैर | 10,000/- | 30,000/- | 50,000/- | 1,10,000/- |

## गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

**मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि**

| | |
|---|---|
| 1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/- | 3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/- |
| 5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/- | 10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/- |
| 20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/- | 30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/- |

## शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

| | |
|---|---|
| एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग | 1,100/- |
| एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग | 11,000/- |
| एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष) | 1,00,000/- |

## अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

| | | | |
|---|---|---|---|
| STATE BANK OF INDIA | -H.M.Sector-4 | SBIN0011406 | 31505501196 |
| ICICI Bank | -Madhuban | ICIC0000045 | 004501000829 |
| PUNJAB NATIONAL BANK | -KalajiGoraji | PUNB0297300 | 2973000100029801 |
| UNION BANK OF INDIA | -UdaipurMain | UBIN0531014 | 310102050000148 |
| HDFC BANK | 358-Post Office Road, Chetak Circle | HDFC0000119 | 50100075975997 |

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

**अधिक जानकारी के लिए कॉल करें**

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

**आपके अपने संस्थान का पता**

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

## सेवा सौभाग्य - प्रपत्र-4

**समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण घोषणा-पत्र**

| | | |
|---|---|---|
| 1. प्रकाशन स्थल | : | उदयपुर |
| 2. प्रकाशन अवधि | : | मासिक |
| 3. मुद्रक का नाम | : | न्यूट्रेक ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड |
| 4. क्या भारत का नागरिक है | : | हाँ |
| 5. पता | : | 13, भोपा मगरी, हिरण मगरी, सेक्टर- 3, उदयपुर (राज.) 313001 |
| 6.प्रकाशक का नाम | : | प्रशान्त अग्रवाल |
| 7. क्या भारत का नागरिक है | : | हाँ |
| 8. पता | : | 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313001 |
| 9.सम्पादक का नाम | : | प्रशान्त अग्रवाल |
| 10. क्या भारत का नागरिक है | : | हाँ |
| 11.पता | : | 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313001 |
| 12. उन व्यक्तियों के नाम व पते | : | प्रशान्त अग्रवाल |

जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक साझेदार या हिस्सेदार हो।

मैं प्रशान्त अग्रवाल एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर, प्रशान्त अग्रवाल

# नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

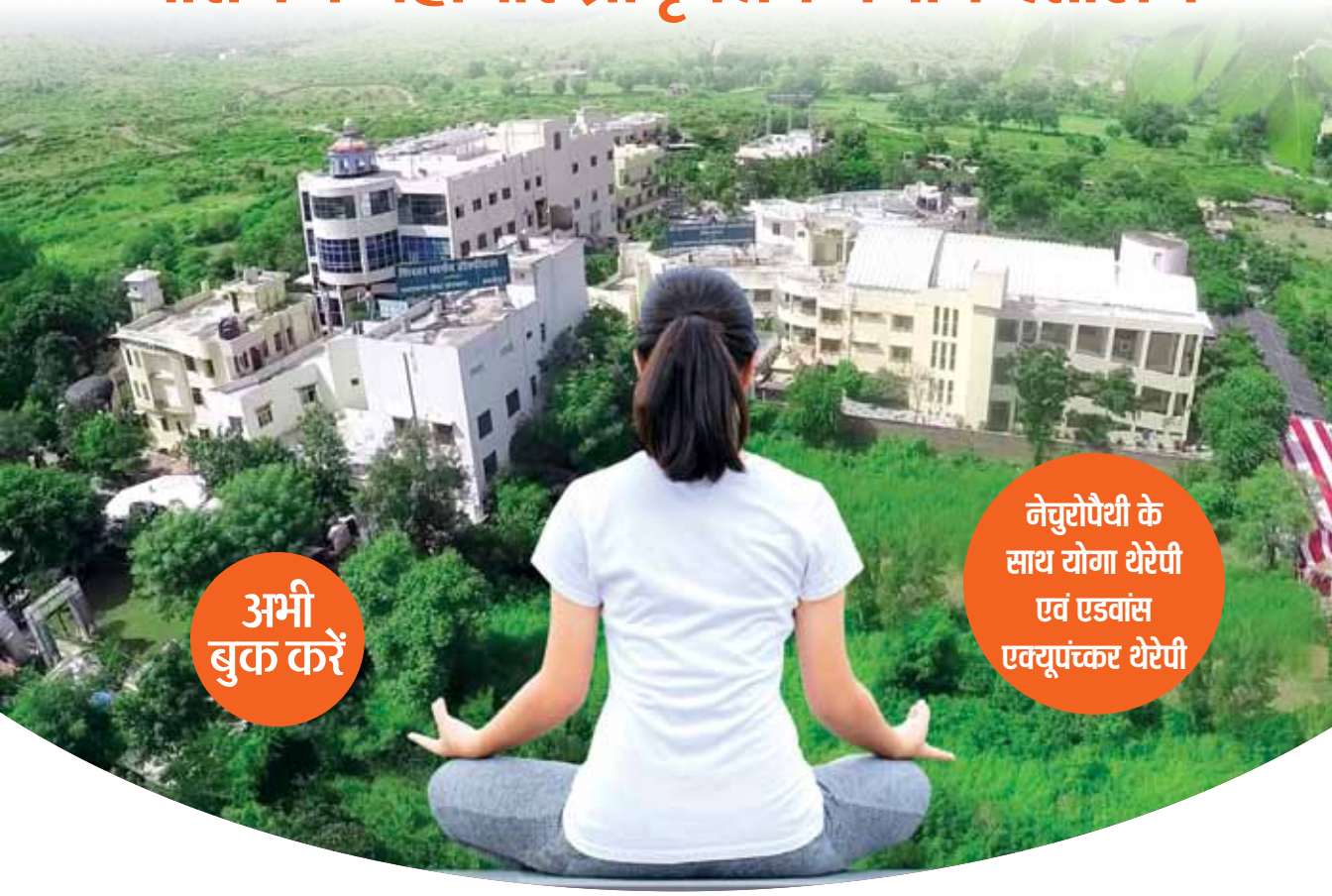


» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज ।
» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाएगी।
» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे।
ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

सम्पर्क करे :
**+91-294-6622222, 7023509999**

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

NARAYAN LIMBS

जीते जागते मनुष्य की सेवा 'ईश्वर पूजा समान'
खुशियों की वजह बनें-करें कृत्रिम अंग का दान।

# आज का उत्साह
# कल का भविष्य

एक कृत्रिम
अंग सहयोग
**5000** रू.

Donate Now

Seva Soubhagya, Print Date 1 April, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 ( No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-